LOK SABHA

Monday, December 11, 1967/*Agrahayana* 20, 1889 (*Saka*)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

OBITUARY REFERENCE

MR. SPEAKER : I have to inform the House of the sad demise of Shri Krishan Chandra Sharma, who passed away at Meerut on the 9th December, 1967 at the age of 64.

Shri Sharma was a Member of the Constituent Assembly of India, Provisional Parliament, First, Second and Third Lok Sabha during the years 1948—1967.

We deeply mourn the loss of this friend and I am sure the House will join me in conveying our condolences to the bereaved family.

प्रधान मंत्री, अणुशक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : मैं भी अपनी श्रद्धांजलि पेश करना चाहती हूं । पंडित कृष्ण चन्द्र शर्मा हमारे दल के बहुत पुराने सदस्य थे और उन्होंने हमारी आजादी के आन्दोलन में और कृषि के कामों में बहुत कुछ काम किये और देश की सेवा की । हम सबको बहुत दुख है कि अब वे हमारे बीच में नहीं हैं ।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी (बलरामपुर) : कल समाचारपत्रों से जब यह ज्ञात हुआ कि श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा हमारे बीच में नहीं रहे तो हमें बड़ा आघात लगा । शायद कैंसर से वह पीड़ित थे और उसी रोग नें उनके प्राण ले लिये । मेरठ से निर्वाचित होने के बाद जब तक वह संसद में रहे प्रदेश की और देश की उन्होंने अच्छी सेवायें कीं । स्वतंत्रता की लड़ाई में उन्होंने अपने जिले का नेतृत्व किया था और समाज के सभी वर्गों की समस्याओं को उनके द्वारा वाणी मिलती थी । मुझे उनके साथ लोक सभा में पांच साल तक काम करने का मौका मिला था । वह अपनी प्रखर बुद्धि से और अच्छे वकील होने के नाते सदन की कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण योगदान किया करते थे । उनके निधन से हम सब को शोक है और मैं चाहूंगा कि आप हमारी भावनाओं को उनके संतप्त परिवार तक पहुंचा दें ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : पिछली दो संसदों में श्री कृष्ण चन्द शर्मा जी के साथ रह कर कार्य करने का अवसर इस सदन में मुझे भी प्राप्त हुआ है । शर्मा जी एक सामान्य कृषक परिवार में जन्म ले कर एक कुशल वकील के रूप में, एडवोकेट के रूप में उयदत हुए थे । कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ साथ स्पष्ट वक्ता तो वह बहुत अधिक थे । उनकी वह विशेषता थी कि कांग्रेस में रहते हुये भी उन्होंने विचार स्वातंत्र्य को अपने जीवन में प्रमुख स्थान दिया था । कांग्रेस दल में समाजवादी विचारों के जो कुछ प्रमुख सदस्य हैं उन में शर्मा जी का अपना एक विशेष स्थान था । कृष्ण चन्द्र शर्मा जी इस सदन में समय समय पर जब बहुत से विषयों पर अपने विचार प्रकट करते थे उस समय लगता था कि कोई स्पष्ट तथा निर्भीक विचारों वाला व्यक्ति बोल रहा है और मैं समझता हूं कि सत्तारूढ़ पार्टी में स्पष्ट तथा निर्भीक विचार रखनें वालों के लिए भी स्थान होना चाहिये । इस के लिए श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है । शर्मा जी के जीवन पर गांधी जी और पंडित जवाहर लाल नेहरू की एक विशेष

छाप थी । आज उनके निधन से मेरठ तथा उत्तर प्रदेश का ही नहीं भारतीय राजनीति को भी बड़ी क्षति पहुंची है ।

मैं अपनी ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ ।

SHRI HEM BARUA: Sir, really I was shocked to hear of the passing away of Sharmaji, who was a valued colleague of ours. We had the unique distinction of working with him here in this House. He was an active and alert Member of the House. At the same time, one thing I noticed about him, *viz.*, he was always gentle. He was a perfect gentleman. His passing away has deprived the country of a valiant fighter and a great thinker also.

I, on behalf of my party, join all those including the Prime Minister who have expressed their sentiments of sorrow over the passing away of Mr. Sharma.

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, तकरीबन दस साल सन् १९५७ से लेकर १९६७ तक मेरा काफी निकट का सम्बन्ध उनसे रहा है । जब कभी इसके अलावा मैं मेरठ जाता था किसी मीटिंग के सिलसिले में या किसी और सिलसिले में मैंने कभी उनको यह नहीं देखा कि क्योंकि वह सत्तारूढ़ दल से सम्बन्ध रखते थे इस वास्ते उन्होंने किसी चीज में बाधा डाली हो । अगर आप लोक सभा की डिबेट्स को देखें तो आपको पता चलेगा कि सत्तारूढ़ दल के मैम्बर होते हुए भी उन्होंने मामलों को हमेशा इस तरीके से रखने की कोशिश की जिससे मालूम होता था कि वह सत्तारूढ़ दल से परे हैं ।

कुछ दिन पहले मैं उनको देखने के लिए गया था । उस वक्त वह एक चीज कहते थे कि किसी तरह से देश का एकीकरण हो और भारत एक अच्छा देश बने और समाजवाद की तरफ जाए । यही कल्पना उनके शेष जीवन तक उनके सामने रही । अपनी ओर से और अपने दल की ओर से मैं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आशा करता हूं कि प्रधान मंत्री जी हमारी इन भावनाओं को उनके परिवार तक पहुंचा देंगी ।

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री (बागपत) : श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा मेरे जिले मेरठ से आते थे । स्वाधीनता आन्दोलन में उन्होंने जो बलिदान और त्यागपूर्वक देश की सेवा की वह उल्लेखनीय है ही, पर पीछे भी बीस पच्चीस वर्ष तक जो उन्होंने अपने जीवन में चरित्र को बहुत ऊंचा रखा, उसको भी भुलाया नहीं जा सकता है । जब मैं लोक सभा का मैम्बर चुना गया था तो मुझे उन्होंने सन्देश दिया था कि जिसमें उन्होंने यह कहा था कि लोक सभा में जाकर किसानों का ध्यान रखना । मैं समझता हूं कि वह बहुत सीधे और सादे व्यक्ति थे और कई बातों में उन्होंने सामाजिक जीवन में आदर्श प्रस्तुत किये । अपने सारे बालकों के विवाह शादियां उन्होंने जातपात को तोड़कर कीं । ऐसे समाजसेवी और सच्चरित्र राजनीतिक व्यक्ति के हमसे पृथक हो जाने पर न सिर्फ यह हमारे जिले की क्षति है, मैं तो यह कहता हूं कि सारे राष्ट्र की यह क्षति है और मैं उन्हें अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

SHRI PILOO MODY (Godhra): Sir, I, on behalf of my group, wish to associate myself with the sentiments expressed by hon. Members.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : स्वाधीनता संग्राम के एक सिपाही के नाते शर्मा जी को मैं अपने दल की ओर से अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार के साथ सहानुभूति व्यकत करता हूं ।

MR. SPEAKER: The House may stand in silence for a short while to express its sorrow.

The Members then stood in silence for a short while.